(ग) यदि हां, तो इस संबंध मे ब्यौरा क्या है और क्या सरकार ने इन लोगों को इस प्रकार के जीवन से मुक्ति दिलाने के लिये कोई समयबद्ध कार्यक्रम तैयार किया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

शहरी विकास मंत्री (श्रीमती मोहसिना किदवई) :(क) और (ख) लगभग 14 लाख लोग झुग्गी-झोंपड़ियों में रह रहे हैं जिन्हें नागरिक सुविधाओं का अभाव है।

(ग) और (घ) झुग्गी-झोंपड़ी निवासियों के जीवन-स्तर को सुधारने के लिए, दिल्ली प्रशासन की झुग्गी बस्तियों मे पर्यावरणीय सुधार की योजना के अन्तर्गत कुछ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। दिल्ली नगर निगम के जल आपूर्ति संस्थान से पानी की उपलब्धता के आधार पर सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए सामुदायिक जल स्टैण्ड पोस्ट, गन्दा पानी निकालने के लिए सामुदायिक पानी के नलों/हैण्डपम्प से समुचित जल-निकासी, दलाव, झुग्गी- झोंपडी समूहों के वाहय मार्गों पर बिजली की व्यवस्था, तथा "पे एण्ड यूज़" जनसुविधा काम्पलैक्स जिसमें सार्वजनिक उपयोग के लिए शौचालय तथा स्नानगृह उपलब्ध हो, जैसी मूलभूत सुविधाएं योजना में शामिल हैं।

Functioning of Maharashtra Electrosmelt Ltd.

*258. SHRI NARESH C. PUGLIA: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Maharashtra Electrosmelt Ltd. (MEL), Chandrapur (Maharashtra) has been taken over by the Steel Authority of India Limited;

(b) whether it is also a fact that the SAIL has declared it as a steel research centre;

(c) if so, what are the functions of this Steel Research Centre, including the nature of research work going on there;

(d) what is the amount invested by SAIL since it was taken over to make the Centre financially viable; and

(e) what have been the achievements of the M.E.L during the last two years?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) MEL has two distinct operating sectors, i.e. production of ferro-alloys and steel. While ferro-alloy production is basically commercial, the steel sector is primarily run for Research and Development.

Broadly, the R&D activities at MEL cover the following aspects relating to Steel Melting:

(i) Energy and raw materials conservation;

(ii) Improvement in technological performance indices;

(iii) Product development; and

(iv) Development of futuristic steel making technology.

The projects undertaken will have impact on the performance of MEL and will also have relevance for SAIL's Steel Plants.

(d) SAIL has invested about Rs. 11.3 crores in MEL since take over.

(e) The major achievements of MEL, inter-alia, after take over have been:

(i) Production of ferro-manganese rose from 39,200 tonnes in 1985-86 to 67,186 tonnes in 1987-88.

(ii) Technology for production of silico-manganese in the existing furnaces was developed.

(iii) Energy consumption in ferro-manganese furnaces reduced by 5 per

cent by implementation of better technology and operating practices.

(iv) Introduction of Creseout Loive Uddeholm (CLU) technology for production of superior grade of stainless and other alloy steels specially for critical application was successfully commissioned.

आदिवासी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान

*259. **श्री अजीत जोगी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मिनेट (कोदो, कुटकी, रागी आदि) की खेती अधिकांशत: आदिवासी क्षेत्रों में की जाती है किन्तु इन फसलों की पैदावार में वृद्धि के लिए कृषि अनुसंधान के क्षेत्र मे अब तक कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं की गई है;

(ख) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इन फसलों से संबंधित अनुसंधान कार्य पर कितनी धनराशि खर्च की गई और कृषि अनुसंधान पर खर्च की गई कुल राशि में से कितने प्रतिशत राशि इस पर खर्च की गई; और

(ग) आदिवासी क्षेत्रों में इस दिशा में अनुसंधान कार्य करने के लिए विशेष रूप से कितने केन्द्र स्थापित किये गये हैं और उनमें से कितने मध्य प्रदेश में स्थित हैं ?

कृषि मंत्री (श्री भजन लाल) : (क) जी हां. रागी आदिवासी तथा गैर आदिवासी दोनों इलाकों में उगाई जाती है, पर कोदो, कुटकी, प्रोसो आदि ज्यादातर आदिवासी इलाकों में ही उगाये जाते हैं। इन फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने टेक्नोलोजी विकसित करने हेतु अनुसंधान के क्षेत्र में काफी प्रगति की है।

(ख) सातवीं योजना में कृषि अनुसंधान के लिए आवंटित 425 करोड़ रुपये में से 73.88 लाख रु० इन मोटे नाजों पर अनुसंधान के लिए आवंटित किए गये हैं। यह कुल व्यय का 0 17% है।

(ग) अखिल भारतीय समन्वित स्माल मिलेट कोदो, कुटकी, रागी आदि सुधार प्रायोजना के अन्तर्गत 12 अनुसंधान केन्द्र और भा०कृ०अ० परिषद का एक संस्थान जैसे-विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधानशाला, अल्मोड़ा मुख्य रूप से देश के जनजातीय क्षेत्रों के लिए काम कर रहे हैं। दो केन्द्र अर्थात-रीवा और दिनदोरी मध्य प्रदेश में स्थित है।

Loss to NALCO Smelter Plant in Orissa

*260. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the NALCO Smelter Plant situated at Angul in Orissa has suffered heavy loss due to damage of posts;

(b) if so, what were the reasons therefor; and

(c) whether any enquiry has been conducted into the matter and responsibity fixed?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR): (a) and (b) During the course of progressive commissioning of the Smelter, 64 pots out of 194 pots energised by April, 1988, had to be bypassed to get over some of the initial teething problems and to stabilise the production.

(c) An enquiry has been ordered.

Demand for relief to State Governments

@2119. DR. YELLAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the demand of State Governments for relief measures to meet the devastation by natural cala-

@Previously unstarred question 746, transferred from the 2nd August, 1983.